3.3.2

School of Studies in Social Work
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya
Bastar, Jagdalpur, District-Bastar, Chhattisgarh 494001
Ph-07782-229224, Fax-07782-229037, www.bvvjdp.ac.in

–// कार्यकम प्रतिवेदन //–

"विकसित भारत @ 2047 के अंतर्गत Intellectual Property Right पर कार्यक्रम का आयोजन"

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के व्यवसायिक प्रबंधन भवन में, समाज कार्य अध्ययनशाला द्वारा दिनांक 20 दिसम्बर 2023 को विकसित भारत / 2047 के अंतर्गत प्दजमससमबजनंस च्तवचमतजल त्पहीज पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यकम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय जी, प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. अभिषेक बाजपेई, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, कार्यकम के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) मोहन सोलंकी सहायक प्रध्यापक विधि संकाय पी.जी. कॉलेज धरमपुरा जगदलपुर एवं कार्यकम के संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, समाज कार्य अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति महोदय जी, प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, ने विकसित भारत @ 2047 के प्रति जागरूक करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत और जीडीपी में बएोतरी के लिए जरूरी है कि हम अपने सृजन का पेटेंट करवाएं। अगर हम अपने काम को पेटेंट करवा लेंगे तो वह कमर्शियलाइज हो जाएगा और इससे आपके साथ ही देष की जीडीपी को भी फायदा होगा। देश की इकॉनामी को 30 ट्रिलियन का बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर काम करें। इससे देश विकसित भारत का स्वरूप लेगा, इसलिए बौद्धिक संपदा का पेटेंट जरूरी है। आपने कहा कि हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आपका सृजन अगर औरों से अलग है तो उसका पेटेंट करवा लें। इस दिशा में हम अगर पूरी इमानदारी के साथ काम करते है तो विकसित भारत @ 2047 का लक्ष्य जरूर पूरा होगा।

मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) मोहन सोलंकी सहायक प्रध्यापक विधि संकाय पी.जी. कॉलेज धरमपुरा जगदलपुर, ने छात्रों को इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी।

Head
SoS Social Work
S.M.K.V.V., Bastar
Jagdalpur, Dist.-Bastar, Chhattisgarh

उन्होंने कहा कि व्यक्ति जिस चीज को सृजित करता है उस पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्होने कॉपीराइट, ट्रेड मार्क, व्यापार रहस्य, प्राकृतिक न्याय जैसे बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। अगर आप पेटेंट को बेहतर तरीके से समझ लेंगे तो आपको भविष्य में व्यक्तिगत लाभ तो होगा ही साथ ही आपके काम का लाभ देष को मिलेगा।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, समाज कार्य अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष ने कहा कि हर व्यक्ति को बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। इंटलेक्चुअल राइट्स को युवाओं को समझना होगा। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पडेगा। ज्यादा से ज्यादा पेटेंट होने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, एनएसएस के समन्वयक डॉ. डीएल पटेल, समाज कार्य अध्ययनशाला से डॉ. तूलिका शर्मा, श्री पुंकेश्वर वैद्य, अलग–अलग अध्ययनशालाओं से श्रीमती रश्मि देवांगन, डॉ. भूपेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. नीलेश कुमार तिवारी, श्री दिलेश जोशी, डॉ. राजकुमार, श्री आकाश मिश्रा, सुश्री क्षमा एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, माननीय कुलपति जी का उद्बोधन

Head
SoS Social Work
V.V., Bastar
Bastar, Chhattisgarh

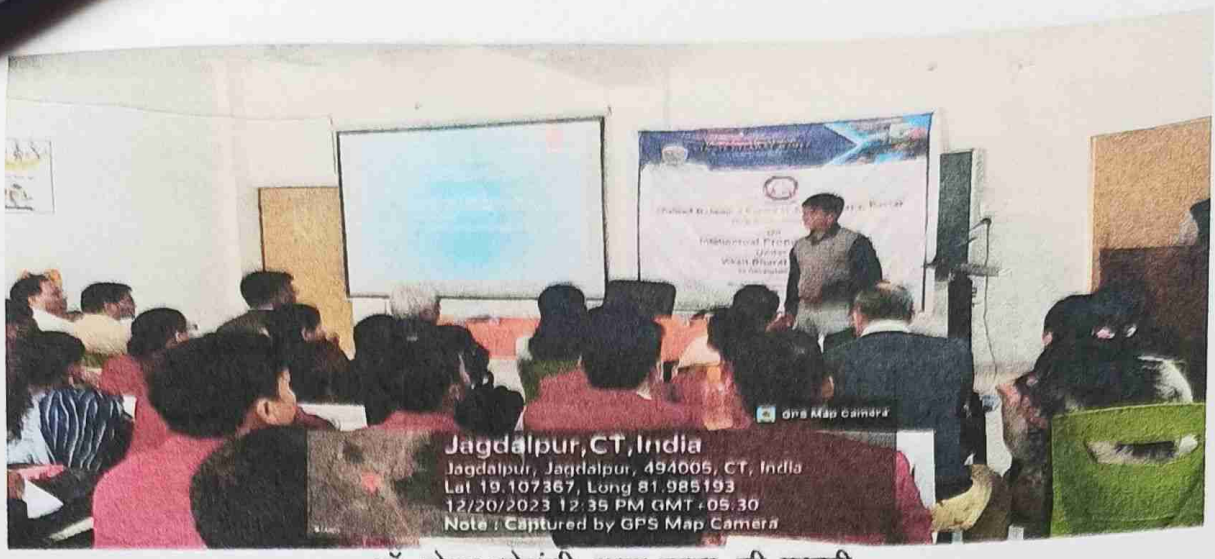

डॉ. मोहन सोलंकी, मुख्य वक्ता, की प्रस्तुती

कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

दैनिक भास्कर बस्तर भास्कर 21-12-2023

सेमिनार • बस्तर विवि में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर की गई चर्चा

अपने काम को कॅमर्शियल बनाएं : कुलपति

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय के समाज कार्य अध्ययनशाला ने बुधवार को विकसित भारत 2047 के तहत इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव थे।

मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय काकतीय महाविद्यालय जगदलपुर के विधि संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहन सोलंकी उपस्थित रहे। कुलपति ने छात्रों को संबोधित करते हुए देशभर के प्रमुख और चर्चित पेटेंट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अपनी क्रिएटिविटी का पेटेंट करवाना जरूरी है। हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आप जो काम कर रहे हैं जो औरों से अलग है तो उसका पेटेंट करवा लें। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने पेटेंट से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में जानकारी दी और कहा कि जब तक आप अपने काम को कमर्शियल नहीं करेंगे, उसका वास्तविक फायदा आपको नहीं मिल पाएगा।

जगदलपुर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति।

प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा कि इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य भी यही है कि आप इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स क्या है, उसे समझ सकें और उसके बाद खुद के पेटेंट पर काम कर सकें। अगर इस दिशा में हम पूरी ईमानदारी के साथ काम करते हैं तो विकसित भारत 2047 का लक्ष्य जरूर पूरा होगा। कार्यक्रम संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि हर व्यक्ति की बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। इंटलेक्चुअल राइट्स को युवाओं को समझना होगा।

ट्रेड मार्क और व्यापार के रहस्य की दी जानकारी

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मोहन सोलंकी ने कहा कि व्यक्ति जिस चीज को सृजित करता है उस पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्होंने कॉपीराइट, ट्रेड मार्क, व्यापार रहस्य, प्राकृतिक न्याय जैसे बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, एनएसएस के समन्वयक डॉ. डीएल पटेल, अध्ययनशाला से डॉ. तूलिका शर्मा, पुष्पेश्वर वैद्य समेत अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रानी मैथ्यू ने किया।

न्यूजपेपर

Head
So... Work
... Bastar
Jagdal... Bastar, Chhattisgarh

क्रिएटिविटी को लायें पेटेंट के दायरे में : कुलपति

विकसित भारत @ 2047 के तहत सेमीनार का किया गया आयोजन सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में दी कई जानकारियां

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के समाज कार्य अध्ययनशाला ने बुधवार को विकसित भारत @2047 के तहत इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता के रूप में पीजी कॉलेज जगदलपुर के विधि संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ मोहन सोलंकी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए देशभर के प्रमुख और चर्चित पेटेंट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अपनी क्रिएटिविटी का पेटेंट करवाना जरूरी है। हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आप जो काम कर रहे हैं जो औरों से अलग हैं तो उसका पेटेंट करवा लें। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने पेटेंट से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में जानकारी दी और कहा कि जब तक आप अपने काम को कमर्शियलाइज नहीं करेंगे, उसका वास्तविक फायदा आपको नहीं मिल पाएगा। उन्होंने ने कहा कि इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य भी यही है कि आप इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स क्या है, उसे समझ सकें और उसके बाद खुद के पेटेंट पर काम कर सकें। अगर हम दिशा में हम पूरी इमानदारी के साथ काम करते हैं, तो विकसित भारत@2047 का लक्ष्य जरूर पूरा होगा। कार्यक्रम में डीन स्टेडेंट वेलफेयर डॉ आनंद मूर्ति मिश्रा, एनएसएस के समन्वयक डॉ डीएल पटेल, अध्ययनशाला से डॉ तूलिका शर्मा, पुंकेश्वर वैद्य समेत अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रानी मैथ्यू ने किया।

हर व्यक्ति की बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी

कार्यक्रम संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि हर व्यक्ति की बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। इंटलेक्चुअल राइट्स को युवाओं को समझना होगा। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। ज्यादा से ज्यादा पेटेंट होने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। डॉ. तिर्की ने इनोवेशन और क्रिएटिविटी के साथ ही इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के बारे में विस्तृत जानकारी छात्रों से साझा की।

कॉपीराइट एक्ट के बारे में दी जानकारी

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मोहन सोलंकी ने छात्रों को इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से सारगर्भित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जिस चीज को सृजित करता है, उस पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्होंने कॉपीराइट, ट्रेड मार्क, व्यापार रहस्य, प्राकृतिक न्याय जैसे बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही पेटेंट के बारे में विस्तार से बताया।

नवभारत न्यूज पेपर

सेमिनार | विवि में विकसित भारत @ 2047 के तहत इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

'इंटलेक्चुअल राइट्स का पड़ेगा भारत की अर्थव्यवस्था पर असर'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के समाज कार्य अध्ययनशाला ने बुधवार को विकसित भारत @ 2047 के तहत इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता पीजी कॉलेज धरमपुरा के विधि संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहन सोलंकी थे। स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि हर व्यक्ति की बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। इंटलेक्चुअल राइट्स को युवाओं को समझना होगा। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। ज्यादा से ज्यादा पेटेंट होने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों से कहा कि विकसित भारत और जीडीपी में बढ़ोतरी के लिए जरूरी है कि हम अपने सृजन का पेटेंट करवाएं। अगर हम अपने काम को पेटेंट करवा लेंगे तो वह कमर्शियलाइज हो जाएगा और इससे आपके साथ ही देश की जीडीपी को भी फायदा होगा। देश की इकॉनमी को 30 ट्रिलियन का बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर काम करें। इससे देश विकसित भारत का स्वरूप लेगा, इसलिए बौद्धिक संपदा का पेटेंट जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आपका सृजन अगर औरों से अलग है तो उसका पेटेंट करवा लें। उन्होंने कहा कि अगर इस दिशा में हम पूरी इमानदारी के साथ काम करते हैं तो विकसित भारत @2047 का लक्ष्य जरूर पूरा होगा। मुख्य वक्ता डॉ. मोहन सोलंकी ने छात्रों को इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जिस चीज को सृजित करता है उस पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्होंने कॉपीराइट, ट्रेड मार्क, व्यापार रहस्य, प्राकृतिक न्याय जैसे बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर आप पेटेंट को बेहतर तरीके से समझ लेंगे तो आपको भविष्य में व्यक्तिगत लाभ तो होगा ही साथ ही आपके काम का लाभ देश को मिलेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, एनएसएस के समन्वयक डॉ. डीएल पटेल, अध्ययनशाला से डॉ. तूलिका शर्मा, पुंकेश्वर वैद्य समेत अलग-अलग अध्ययनशाला के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रानी मैथ्यू ने किया।

पत्रिका न्यूज पेपर

Head
SoS S...
S.M...
Jagdalpur, ... Chhattisgarh